मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से अत्याधुनिक 'इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला' और 'साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रयोगशाला' स्थापित करने के लिए मिला ₹14.8 करोड़ का अनुदान

नई दिल्ली, 11 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के अंतर्गत, परिसर में दो अत्याधुनिक सुविधाओं, अर्थात् इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला और एक साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रयोगशाला, की स्थापना के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से ₹14.8 करोड़ का महत्वपूर्ण अनुदान प्राप्त हुआ है।

कुल अनुदान में से ₹9.05 करोड़ "इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला" की स्थापना के लिए स्वीकृत किए गए हैं, जिसके प्रमुख अन्वेषक (पीआई) इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रो. एहतेशामुल हक हैं। शेष ₹5.75 करोड़ “साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रयोगशाला” की स्थापना के लिए स्वीकृत किए गए हैं, जिसके प्रमुख अन्वेषक एफटीके-सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआईटी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया के निदेशक डॉ. शाने काज़िम नकवी हैं।

यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों और साइबर सुरक्षा इकोसिस्टम के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की भारत की राष्ट्रीय नीति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने इस पहल पर अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा, "ये दोनों परियोजनाएँ इलेक्ट्रिक वाहनों और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी प्रतिभाओं को पोषित करके हमारे राष्ट्रीय मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। ये जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों और पेशेवरों को अत्याधुनिक तकनीकों का बहुमूल्य अनुभव प्रदान करेंगी, जिससे विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर इन दोनों क्षेत्रों में प्रभावी योगदान दे सकेगा।" उन्होंने आगे कहा, "हम जामिया मिल्लिया इस्लामिया को यह महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।"

जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने कहा, "प्राप्त अनुदान से दो नवीन और उन्नत प्रयोगशालाएँ, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एक शोध प्रयोगशाला और साइबर सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की जाएंगी।" उन्होंने आगे कहा, "यह इन दो प्रमुख क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सीखने, सहयोग, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों के उपयोग के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करेगा।" प्रो. रिज़वी ने प्रो. एहतेशामुल हक और डॉ. शाने के. नकवी को इन प्रतिष्ठित परियोजनाओं को प्राप्त करने में उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी।

रिसर्च लैब ईवी परियोजना के पीआई प्रो. एहतेशामुल हक ने परियोजना के लक्ष्यों की व्याख्या करते हुए कहा, "इस परियोजना के तीन मुख्य उद्देश्य हैं: (i) मौलिक अनुसंधान में योगदान देने के लिए ईवी के क्षेत्र

में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधा को बढ़ाना (ii) छात्रों में अनुसंधान एवं विकास कौशल विकसित करने की क्षमता के साथ जेएमआई परिसर में ईवी का एक कार्यशील चार्जिंग स्टेशन स्थापित करना (iii) नीति आयोग की 2030 नीति के अनुसार देश के आवश्यक कार्यबल की पूर्ति हेतु इस क्षेत्र में प्रशिक्षण हेतु एक कौशल केंद्र स्थापित करना।"

साइबर सुरक्षा परीक्षण प्रयोगशाला के पीआई डॉ. शाने काज़िम नकवी ने कहा, "प्रस्तावित प्रयोगशाला भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति के साथ सीधे तौर पर जुड़ी हुई है, जो महत्वपूर्ण डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा करने में सक्षम एक कुशल और तकनीकी रूप से सक्षम कार्यबल विकसित करने पर ज़ोर देती है।"

दोनों पीआई ने माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ और रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी को हर स्तर पर उनके बहुमूल्य समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी